

SOUTH CENTRAL RAILWAY

Safety.387/Fly Leaf/09/2025

Fly Leaf No. 09 / 2025

Attention..... All Concerned

Monsoon safety precautions at Construction worksites.
(RB Lr No.2025/W-I/Genl./safety precautions dated 02.06.2025.)

The precautions at work sites in case of Railway projects, particularly multi-tracking works need to be enhanced during the monsoon period. Apart from the precautions at work sites in close proximity of the running track, there are other activities which need to be undertaken as pre-monsoon precautions to ensure that vulnerable situation is not caused by ongoing construction activity. Some of the precautions which need to be undertaken as a pre-monsoon and during monsoon activity are enlisted as under.

- (i) Risk assessment of excavations in the close proximity of running tracks must be done before the onset of the monsoon and based on assessment it should be decided whether it is safe to undertake the activity. In any case excavation to be done only when all protection arrangements considering the worst-case scenario is made and measures are available to tackle emergency situation.
 - (ii) For the protection of partially excavated site, adequate number of sandbags must be kept at the site for the protection of side slopes etc.
 - (iii) The waterways of existing bridges which have been temporarily blocked for service road or other worksite activities must be cleared before the onset of monsoon.
 - (iv) Lifting / launching works at the construction sites must be done only after proper risk assessment with regard to firmness of the support areas, proximity to electrical installations and if undertaken has to be done only after ensuring that propping areas are firm and have adequate bearing strength.
 - (v) While working in the yard area, the care must be taken to ensure that the existing drainage system is not affected. Good debris management must be in place so that infringements to existing drainage system in yard or natural drainage in near vicinity is not compromised.
 - (vi) While undertaking multi-tracking activities in the cutting areas, it must be ensured that catch water drains are made functional before the monsoon and no cable trenches are left unfilled before the monsoon. Existing side drains in the existing cuttings has to be kept functional all the time.
 - (vii) Slope stability of newly built embankment or freshly cut cuttings to be done as per the guidelines and precautions to avoid excessive rain cuts in slopes must be in place before monsoon.
 - (viii) Worksites closed for the monsoon must be adequately secured before demobilization of workmen / machines.
 - (ix) Vulnerable works sites with regard to flooding / breaches etc must be identified beforehand and some earth moving equipment must be kept in readiness at motorable locations to tackle emergency situations.
2. The above list is not exhaustive and based on the site conditions adequate precautions must be taken by the site in-charge in consultation Chief Engineer so that no vulnerable condition is created either at the site or to the running lines due to ongoing construction activities during the monsoon period.

SAFETY ORGANISATION

SOUTH CENTRAL RAILWAY

Disclaimer :

The above content mentioned on the subject in this FLY Leaf is an extract from different manuals, RB's letters and other letters. The same to be read in conjunction with the original letter & other manuals / letters issued from time to time and in no way can supersede them.

निर्माण कार्य स्थलों पर मानसून संरक्षा पूर्वोपाय

(रेलवे बोर्ड का दि.02.06.2025 का पत्र सं.2025/डब्ल्यू- I/सा./संरक्षा पूर्वोपाय)

रेलवे परियोजनाओं, विशेषकर मल्टी-ट्रैकिंग कार्यों के मामले में कार्य स्थलों पर मानसून अवधि के दौरान अधिक पूर्वोपाय किए जाने चाहिए. रनिंग ट्रैक के निकट कार्य स्थलों पर पूर्वोपायों के अलावा, मानसून पूर्वोपाय के रूप में कुछ अन्य गतिविधियां भी की जानी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चल रही निर्माण गतिविधियों के कारण संवेदनशील स्थिति उत्पन्न न हो. मानसून से पहले और मानसून के दौरान अपनाए जाने वाले पूर्वोपाय नीचे दिए गए हैं-

- (i) मानसून के आरंभ होने से पहले रनिंग ट्रैक के निकट खुदाई के जोखिम का आकलन किया जाना चाहिए और आकलन के आधार पर यह निर्णय लिया जाना चाहिए कि क्या यह कार्य करना सुरक्षित है. किसी भी स्थिति में खुदाई तभी की जानी चाहिए, जब सबसे खराब स्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी सुरक्षा प्रबंध किए गए हों और आपातकालीन स्थिति से निपटने के उपाय उपलब्ध हों.
 - (ii) आंशिक रूप से खुदाई किए गए स्थान की सुरक्षा के लिए, साइड के ढलानों आदि की सुरक्षा के लिए साइट पर पर्याप्त संख्या में रेत की बोरियां रखी जानी चाहिए.
 - (iii) वर्तमान पुलों के जलमार्ग, जिन्हें सर्विस रोड या अन्य कार्यस्थल गतिविधियों के लिए अस्थायी रूप से अवरुद्ध किया गया है, उन्हें मानसून आरंभ होने से पहले साफ किया जाना चाहिए.
 - (iv) निर्माण स्थलों पर लिफ्टिंग/लॉन्चिंग कार्य केवल सहारा देने वाले क्षेत्रों की दृढ़ता, विद्युत संस्थापनों की निकटता के संबंध में उचित जोखिम आकलन के बाद ही किया जाना चाहिए और यदि कार्य किया जाता है तो यह सुनिश्चित करने के बाद ही किया जाना चाहिए कि सहारा देने वाले क्षेत्र मजबूत हैं और उनमें पर्याप्त भार वहन करने की क्षमता है.
 - (v) यार्ड क्षेत्र में काम करते समय, यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए कि वर्तमान जल निकासी व्यवस्था प्रभावित न हो. मलबे का अच्छा प्रबंधन होना चाहिए ताकि यार्ड में वर्तमान जल निकासी व्यवस्था या आस-पास के क्षेत्र में प्राकृतिक जल निकासी में कोई बाधा न आए.
 - (vi) कटिंग क्षेत्रों में मल्टी-ट्रैकिंग गतिविधियाँ करते समय यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जल संग्रहण नालियों को मानसून से पहले क्रियाशील बना दिया जाए तथा मानसून से पहले कोई भी केबल ट्रेंच खाली न छोड़ा जाए. वर्तमान कटिंग में मौजूदा साइड नालियों को हर समय कार्यात्मक बनाए रखना होगा.
 - (vii) नवनिर्मित तटबंधों या ताजा काटे गए कटों की ढलान स्थिरता दिशानिर्देशों के अनुसार की जानी चाहिए तथा ढलानों में अत्यधिक वर्षा से बचने के लिए पूर्वोपाय मानसून से पहले लागू किए जाने चाहिए.
 - (viii) मानसून के कारण बंद किए गए कार्यस्थलों को कामगारों/मशीनों को हटाने से पहले पर्याप्त रूप से सुरक्षित किया जाना चाहिए.
 - (ix) बाढ़/दरार आदि के संबंध में संवेदनशील कार्य स्थलों की पहले ही पहचान कर ली जानी चाहिए तथा आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए कुछ मिट्टी हटाने वाले उपकरणों को वाहन योग्य स्थानों पर तैयार रखा जाना चाहिए.
2. उपर्युक्त सूची संपूर्ण नहीं है और साइट की स्थितियों के आधार पर साइट प्रभारी द्वारा मुख्य इंजीनियर के परामर्श से पर्याप्त सावधानियां बरती जानी चाहिए, ताकि मानसून अवधि के दौरान चल रही निर्माण गतिविधियों के कारण साइट पर या रनिंग लाइनों के लिए कोई संवेदनशील स्थिति पैदा न हो.

संरक्षा संगठन

दक्षिण मध्य रेलवे

अस्वीकरण :

इस फ्लाई लीफ में इस विषय पर उल्लिखित उपर्युक्त सामग्री विभिन्न मैनुअल, रेलवे बोर्ड के पत्रों और अन्य पत्रों का अंश है. इसे मूल पत्र और समय-समय पर जारी किए गए अन्य मैनुअल/पत्रों के साथ पढ़ा जाना चाहिए तथा यह किसी भी तरह से उनका स्थान नहीं ले सकता है.